एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में दी गई कृषि सम्बंधी महत्वपूर्ण जानकारी

चेतना कार्यालय

बकेवर। जनता कॉलेज में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पशु चिकित्सा अधिकारी, बकवर डॉ. विनय कुमार मिश्रा ने पशुओं को रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण, संतुलित आहार एवं रोग निदान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पशुओं को रोगों से बचने के लिए कैल्शियम व सोडियम की आपूर्ति हेतु एक एक चम्मच खड़िया एवं नमक का प्रयोग चारे के साथ सुबह शाम करना चाहिए। कार्यक्रम में पशुधन प्रसार अधिकारी डॉ.अनिल वीर सिंह चौहान ने खुरपका-मुंह पका एवं गला घोंटू आदि रोगों के बचाव एवं निदान के बारे में बताया। सहायक कृषि विकास अधिकारी दिलीप कुमार ने विभिन्न कृषि योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रबी फसलों के बीजों जैसे गेहूं, जौ का 50% छूट पर उन्नतशील प्रजातियों का बीज कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। और बताया कि कृषि यंत्रीकरण, एग्री जंक्शन, किसान सम्मान निधि, पीएम प्रणाम योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, आत्मा योजना के अंतर्गत किसान भ्रमण कार्यक्रम, एनएफएसएम योजना, पराली प्रबंधन, जैविक खेती एवं पीएम फसल बीमा योजना की विस्तृत जानकारी दी, जिसमें बताया कि फसल बीमा योजना में रबी फसलों का प्रीमियम दो प्रतिशत एवं खरीफ फसलों का प्रीमियम 1.5 प्रतिशत होता है जिसमें किसान की फसल किसी प्राकृतिक आपदा से नष्ट होने पर उसकी फसल की पूरी राशि मिलती है। उपर्युक्त सभी विभिन्न योजनाओं का लाभ केवल पंजीकृत किसानों को ही देय है। कार्यक्रम में सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, बकेवर के शाखा प्रबंधक मदन सिंह ने किसान क्रेडिट कार्ड एवं एजुकेशन लोन के साथ-साथ खाते की महत्ता को बताया। उन्होंने बताया कि सभी प्रकार के लाभ तभी मिल सकते हैं जब व्यक्ति

का बैंक में खाता हो और आधार कार्ड से लिंक हो। कार्यक्रम में डॉ.डी.एन. सिंह ने फसल सुरक्षा और कीट प्रबंधन पर अपने विचारों को साझा किया। डॉ. संजीव कुमार ने उद्यानिकी के लाभ एवं नर्सरी प्रबंधन के विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसानों की आय बढ़ोत्तरी के लिए उद्यानिकी फसलों का उगाना एवं नर्सरी बनाकर पौध का बेचना बहुत ही लाभकारी होता है। डॉ. मनोज यादव ने बीज शोधन के लिए छात्रों को बताया कि बीज शोधन उपरांत बुवाई करने से बीमारियों से बचाव किया जा सकता है तथा आज के मौसम में आलू की फसल में अगेती झुलसा होने की संभावना है इसलिए किसानों को कवकनाशी डाईथेन एम 45 का छिड़काव करना चाहिए जिससे अगेती झुलसा रोग से फसल बचाई जा सके। संगोष्ठी/ प्रशिक्षण संयोजक डॉ.एम.पी. सिंह ने कहा कि आज आपको जो विशेष शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है उन सभी तकनीकी वैज्ञानिक बातों को किसानों तक पहुंचाकर किसानों को लाभान्वित करें साथ ही बताया कि किसानों को यह भी बताएं कि दिसंबर माह में गेहूं की बुवाई करने के लिए बीज की शवा गुनी मात्रा को 24 घंटे पानी में भिगोने के उपरांत उपचारित करके सुपर सीडर द्वारा बुवाई करना चाहिए। साथ ही खेत में जैविक खादों का प्रयोग करना चाहिए जिससे फसल का अंकुरण अच्छा होगा एवं उत्पादन अच्छा मिलेगा। डॉ. पी.के.राजपूत, संयोजक रावे ने कंपनियों के साथ अटैचमेंट के प्रशिक्षण की जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि संकाय के डीन ए.के.पांडेय ने सभी विषय विशेषज्ञों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.एम.पी. यादव, डॉ.धर्मेंद्र कुमार, डॉ. आदित्य कुमार डॉ.संजय विश्वकर्मा आदि कृषि संकाय के प्राध्यापक एवं रावे के छात्र उपस्थित रहे।

गेहूं की बुवाई करने के लिए बीज को सवा गुनी मात्रा में 24 घंटे पानी में भिगोने के बाद बोएं

बकेवर (इटावा) 29 नवम्बर। जनता कॉलेज में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें पशु चिकित्सा अधिकारी, डॉ. विनय कुमार मिश्रा ने पशुओं को रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण, संतुलित आहार व रोग निदान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पशुओं को रोगों से बचने के लिए कैल्शियम व सोडियम की आपूर्ति हेतु एक एक चम्मच खड़िया व नमक का प्रयोग चारे के साथ सुबह शाम करना चाहिए। कार्यक्रम में पशुधन प्रसार अधिकारी डॉ.अनिल वीर सिंह चौहान ने खुरपका-मुंह पका व गला घोंटू आदि रोगों के बचाव व निदान के बारे में बताया। सहायक कृषि विकास अधिकारी दिलीप कुमार ने विभिन्न कृषि योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रबी फसलों के बीजों जैसे गेहूं, जौ का 50: छूट पर उन्नतशील प्रजातियों का बीज कृषि विभाग से उपलब्ध कराया जाता है। और बताया कि कृषि यंत्रीकरण, एग्री जंक्शन, किसान सम्मान निधि, पीएम प्रणाम योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, आत्मा योजना के अंतर्गत किसान भ्रमण कार्यक्रम, एनएफएसएम योजना, पराली प्रबंधन, जैविक खेती व पीएम फसल बीमा योजना की विस्तृत जानकारी दी, जिसमें बताया कि फसल बीमा योजना में

शिक्षण में जानकारी देते मुख्य पशु चिकित्साधिकारी।

रबी फसलों का प्रीमियम दो प्रतिशत व खरीफफसलों का प्रीमियम 1.5 प्रतिशत होता है जिसमें किसान की फसल किसी प्राकृतिक आपदा से नष्ट होने पर उसकी फसल की पूरी राशि मिलती है। उपर्युक्त सभी विभिन्न योजनाओं का लाभ केवल पंजीकृत किसानों को ही देय है। कार्यक्रम में सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, के शाखा प्रबंधक मदन सिंह ने किसान क्रेडिट कार्ड व एजुकेशन लोन के साथ खाते की महत्ता को बताया। उन्होंने बताया कि सभी प्रकार के लाभ तभी मिल सकते हैं जब व्यक्ति का बैंक में खाता हो और आधार कार्ड से लिंक हो। कार्यक्रम में डॉ.डीएन सिंह ने फसल सुरक्षा और कीट प्रबंधन पर अपने विचारों को साझा किया। डॉ. संजीव कुमार ने उद्यानिकी के लाभ व नर्सरी प्रबंधन के विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसानों की आय बढ़ोत्तरी के लिए उद्यानिकी फसलों का उगाना नर्सरी बनाकर पौध का बेचना बहुत ही लाभकारी होता है। डॉ. मनोज यादव ने बीज शोधन के लिए छात्रों को बताया कि बीज शोधन उपरांत बुवाई करने से बीमारियों से बचाव किया जा सकता है तथा आज के मौसम में आलू की फसल में अगेती झुलसा होने की संभावना है इसलिए किसानों को कवकनाशी डाईथेन एम 45 का छिड़काव करना चाहिए जिससे अगेती झुलसा रोग से फसल बचाई जा सके। संगोष्ठी प्रशिक्षण संयोजक डॉ.एमपी सिंह ने कहा कि आज आपको जो विशेष शिक्षकों ने प्रशिक्षण दिया है उन सभी तकनीकी वैज्ञानिक बातों को किसानों तक पहुंचाकर लाभान्वित करें साथ कि किसानों को यह भी बताएं दिसंबर में गेहूं की बुवाई करने के लिए बीज की शवा गुनी मात्रा को 24 घंटे पानी में भिगोने के उपरांत उपचारित करके सुपर सीडर से बुवाई करना चाहिए। साथ ही खेत में जैविक खादों का प्रयोग करना चाहिए जिससे फसल का अंकुरण अच्छा होगा उत्पादन अच्छा मिलेगा। डॉ. पी.के.राजपूत, संयोजक रावे ने कंपनियों के साथ अटैचमेंट के प्रशिक्षण की जानकारी दी।

कार्यक्रम में कृषि संकाय के डीन एके पांडेय ने सभी विषय विशेषज्ञों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.एमपी यादव, डॉ.धर्मेंद्र कुमार, डॉ. आदित्य कुमार डॉ. संजय विश्वकर्मा आदि कृषि संकाय के प्राध्यापक एवं रावे के छात्र उपस्थित रहे।

पशुओं को चारे के साथ खड़िया व नमक भी दें

संवाद न्यूज एजेंसी

बकेवर। पशुओं को रोगों से बचाने के लिए कैल्शियम (खड़िया) व सोडियम (नमक) का प्रयोग चारे के साथ कराना चाहिए। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय कुमार मिश्रा ने ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम में यह बात कही।

पशुधन प्रसार अधिकारी डॉ.अनिल वीर सिंह चौहान ने खुरपका-मुंह पका एवं गला घोंटू आदि रोगों के बचाव एवं निदान, सहायक कृषि विकास अधिकारी दिलीप कुमार ने विभिन्न कृषि योजनाओं के बारे में जानकारी दी। बताया कि रबी फसलों के बीजों जैसे गेहूं, जौ का 50 प्रतिशत छूट पर उन्नतशील प्रजातियों का बीज कृषि विभाग के जरिए उपलब्ध कराया जाता है।

जनता कॉलेज बकेवर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग। संवाद

कृषि यंत्रीकरण, एग्री जंक्शन, किसान सम्मान निधि, पीएम प्रणाम योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, आत्मा योजना के अंतर्गत किसान भ्रमण कार्यक्रम, एनएफएसएम योजना, पराली प्रबंधन, जैविक खेती एवं पीएम फसल बीमा योजना के बारे में बताया।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक मदन सिंह ने किसान क्रेडिट कार्ड एवं एजुकेशन लोन के साथ-साथ खाते की महत्ता के बारे में जानकारी दी। डॉ.डीएन सिंह ने फसल सुरक्षा और कीट प्रबंधन पर अपने विचारों को साझा किया। डॉ. संजीव ने उद्यानिकी के लाभ एवं नर्सरी प्रबंधन के बारे में बताया कि किसानों की आय बढ़ोतरी के लिए उद्यानिकी फसलों का उगाना एवं पौध का बेचना लाभकारी होता है।

जनता कॉलेज में हुआ ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम